**समाचार**

## मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की फिल्ट्रेशन एवं रिकंडीशन से ट्रांसफार्मरों की कार्यक्षमता में वृद्धि कार्ययोजना को अन्य पावर सेक्टर भी अपनाएंगे

## अंतरराष्ट्रीय ट्रांसफार्मर सेमीनार में पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं के शोध पत्र को मिली सराहना

**जबलपुर, 9 मई ।** मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के मुख्य अभियंता (टेस्टिंग एन्ड कम्युनिकेशन) श्री डी. सी. जैन एवं सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता श्री के. के. मूर्ति के शोध पत्र **मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन सिस्टम में पुराने ट्रांसफार्मरों की रिकंडीशनिंग** को नई दिल्ली में गत दिवस आयोजित 14 वीं अंतरराष्ट्रीय ट्रांसफार्मर सेमीनार में सराहना मिली है। सेमीनार में इस शोध पत्र को मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के टेस्टिंग डिवीजन के कार्यपालन अभियंता श्री आर. के. अग्रवाल ने प्रस्तुत किया।

**फिल्ट्रेशन एवं रिकंडीशन से ट्रांसफार्मरों की कार्यक्षमता में वृद्धि-**उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय द्वारा पावर ट्रांसफार्मर की कार्य आयु 25 वर्ष निर्धारित की गई है। प्रदेश में 20 वर्ष की सेवा दे चुके ऐसे ट्रांसफार्मरों की संख्या कुल ट्रांसफार्मर (750 नग) के 35 प्रतिशत से अधिक थी, जिसे टेस्टिंग एन्ड कम्युनिकेशन विंग के मुख्य अभियंता श्री डी.सी. जैन ने व्यक्तिगत ध्यान देकर आयल फिल्ट्रेशन एवं रिकंडीशन करवाया। इस पहल से न केवल ट्रांसफार्मरों की कार्यक्षमता में बढ़ोत्तरी हुई, बल्कि उनको होने वाली संभावित नुकसान होने से भी बचाया गया।

**सब स्टेशन में ही ठीक किया गया 160 एमवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर-**मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मैदानी अभियंताओं व तकनीकी कार्मिकों ने नीमच 220 केवी सब स्टेशन में अचानक खराबी आने पर तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए दो माह के अंदर ही स्थल पर ही सब स्टेशन के 160 एमवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर का सुधार कार्य बिना निर्माता कंपनी की सहायता के पूर्ण किया। यहां सब से महत्वपूर्ण बात यह रही कि ट्रांसफार्मर का निर्माण वर्ष 1991 में किया गया था एवं इस का निर्माण करने वाली कंपनी 15 वर्ष पूर्व बंद हो चुकी थी। वर्तमान में सब स्टेशन का ट्रांसफार्मर पूर्ण क्षमता के साथ कार्य कर रहा है।

**अन्य पावर सेक्टर भी अपनाएंगे मध्यप्रदेश की कार्ययोजना-**अनेक **'ऑन लाइन ऑन लोड'** ट्रांसफार्मरों का फिल्ट्रेशन कर मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने एक नई मिसाल भी कायम की है, जिसे अनेक पावर सेक्टरों ने अपनाने की बात भी कही। मालूम हो ट्रांसफार्मर ऑयल फिल्ट्रेशन की इस प्रक्रिया

में बिना ट्रांसफार्मर को बंद करें, फिल्ट्रेशन किया जाता है। इससे ट्रांसफार्मर ऑयल में पानी की मात्रा न्यूनतम हो जाती है एवं वाइंडिंग से पूरी आर्द्रता निकल जाती है। मध्यप्रदेश में यह काफी कारगार साबित हुआ है और कई ट्रांसफार्मरों को बदलने से बचाया गया है।

**समाचार क्रमांक: 204/2017**

**(राकेश पाठक)**
**वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी**